सरकार ने दी है 40 लाख टन सरप्लस चीनी के एक्सपोर्ट की इजाजत

चीनी कंपनियों के शेयरों में आया 20% तक उछाल

[सूरज साउकर & राम सहगल | ईटीआईजी]

रेणुका शुगर्स और ईआईडी पैरी सहित ज्यादातर चीनी कंपनियों के शेयरों में 10 से 20 पर्सेंट उछाल आया है। इसकी कई वजहें बताई जा रही हैं। उनमें से एक यह है कि खराब मॉनसून के चलते अगले साल कम प्रॉडक्शन हो सकता है। दूसरी वजह यह बताई जा रही है कि सरकार ने 40 लाख सरप्लस चीनी के एक्सपोर्ट की इजाजत दी है। इसके साथ ही बाजार में यह अफवाह भी उड़ी है कि सरकार चीनी मिलों को गन्ने की खरीदारी के लिए सब्सिडी दे सकती है।

लेकिन क्या चीनी कंपनियों के शेयरों में तेज उछाल उनका भविष्य बेहतर होने का संकेत है? हां। ऐसा हो सकता है, लेकिन यह तभी मुमकिन है जब चीनी की कीमतें मौजूदा 28 रुपये प्रति किलो से 10-11 पर्सेंट तक बढ़ जाएं। मौजूदा रेट अब भी उस रेट से कम है, जिस पर चीनी कंपनियों को ऑपरेटिंग प्रॉफिट होने लगेगा।

अल नीनो के असर के चलते ब्राजील और भारत में खराब मौसम होने और ग्लोबल सरप्लस में कमी होने की वजह से चीनी की कीमतों में तेजी आ सकती है।

ट्रेड बॉडी ISMA ने अगले साल 2.7 करोड़ टन चीनी का प्रॉडक्शन होने का अनुमान लगाया है, जो इस साल के मुकाबले 10 लाख टन कम है। सरकार ने पिछले सीजन का 10 लाख टन का कैरी फॉरवर्ड सरप्लस स्टॉक क्लीयर करने के लिए 40 लाख टन चीनी का एक्सपोर्ट करने के ऑर्डर का नोटिफिकेशन हाल ही में जारी किया है। हालांकि, अगले साल चीनी का प्रॉडक्शन ग्लोबल डिमांड से 35 लाख टन कम रहने का अनुमान है। पांच साल के सरप्लस के बाद पहली बार प्रॉडक्शन डिमांड से कम होने जा रहा है।

लंदन इंटरनेशनल फाइनेंशियल फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस एक्सचेंज (LIFFE) पर बेंचमार्क व्हाइट शुगर कॉन्ट्रैक्ट नवंबर के पहले हफ्ते में $418 प्रति टन पर पहुंच गया जो इसी साल अगस्त में $329 प्रति टन था। इसका कारण डेफिसिट का डर बताया जा रहा है।

इस दौरान इंडिया में चीनी का दाम 4 रुपये प्रति किलो बढ़कर 28 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया। जियोफिन कॉमट्रेड के सीनियर एनालिस्ट विरल शाह का अनुमान है कि ग्लोबल प्रॉडक्शन पर खराब मौसम के असर को देखते हुए LIFFE पर चीनी का दाम अगले दो महीनों में $450 प्रति टन तक पहुंच सकता है।

दुनिया के सबसे बड़ी चीनी उत्पादक देश ब्राजील में चीनी के प्रॉडक्शन में कमी आना इंडियन कंपनियों के लिए फायदेमंद है। उन्होंने कहा, 'इससे डोमेस्टिक मार्केट में चीनी की कीमतों में मजबूती आ सकती है। इससे चीनी मिलें किसानों को गन्ने के बकाए का भुगतान कर पाएंगी। यह भी मुमकिन है कि चीनी कंपनियां वर्षों से नुकसान झेलने के बाद अब प्रॉफिट में आ जाएं।' इसके अलावा एथनॉल पर सेनवैट का एग्जेम्पशन होने से चीनी कंपनियों को मिलने वाली कीमत में 5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी होगी।

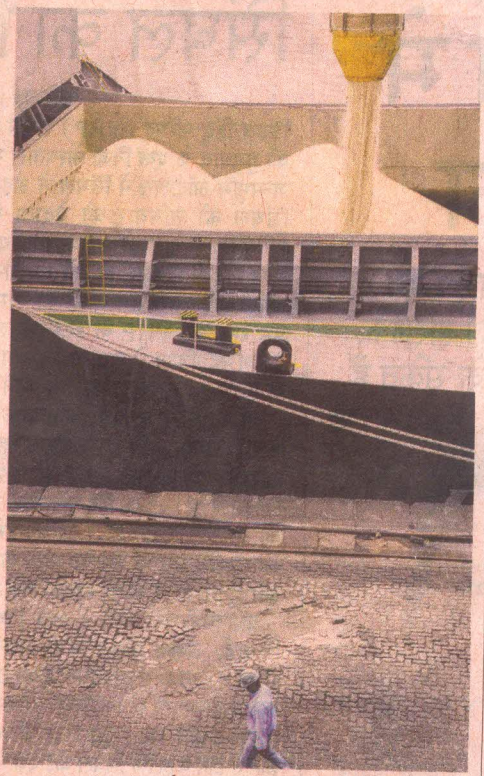

- **मार्केट में** यह अफवाह भी उड़ी है कि सरकार चीनी मिलों को गन्ने की खरीदारी के लिए सब्सिडी दे सकती है
- **शुगर कंपनियों** के शेयरों में तेजी की वजह खराब मॉनसून के चलते अगले साल कम प्रॉडक्शन होने की आशंका है